केजरीवाल का परिवार भी नजरबंद मुझे मिलने नहीं दिया; आप नेता गोपाल राय का दावा

नई दिल्ली. दिल्ली की मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी लगातार ईडी और बीजेपी पर गंभीर आरोप लगा रही है। इसी कड़ी में अब पार्टी ने केजरीवाल को परिवार को नजरबंद किए जाने का दावा किया है। दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय शुक्रवार को केजरीवाल से परिवार से मिलने उनके आवास पहुंचे थे लेकिन उन्हें बाहर ही रोक दिया गया। इसके बाद उन्होंने कहा कि हो सकता है उनके परिवार को नजरबंद कर दिया गया है। वो लोग किसी को उनसे मिलने की इजाजत नहीं दे रहे। गोपाल राय ने दावा किया है कि सीएम आवास की ओर जाने वाली 6 फ्लैगस्टाफ रोड पर तैनात पुलिस कर्मियों ने उन्हें केजरीवाल के परिवार से मिलने से रोक दिया।उन्होंने कहा, मैं यहां उनके परिवार के सदस्यों से मिलने आया हूं लेकिन ऐसा लगता है कि उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया है। मैं जानना चाहता हूं कि किस कानून के तहत मुझे सीएम के परिवार के सदस्यों से मिलने से रोका जा रहा है?

उधर आतिशी ने भी केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि उन्हें किस तरह की सुरक्षा दी जा रही है इस बारे में ईडी को देश के सामने जानकारी रखनी चाहिए। बता दें, दिल्ली के कथित शराब घोटाले में ईडी ने पूछताछ के लिए केजरीवाल को 9 समन भेजे थे लेकिन हर बार किसी ना किसी वजह से केजरवाल ने इस सभी समनों को दरकिनार कर दिया। आखिर कोर्ट की तरफ से गिरफ्तारपी से राहत ना मिलने के बाद ईडी 10वां समन लेकर केजरीवाल के घर पहुंची और 2 घंटे तक पूछताछ की और फिर केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया।

मैं दुखी इस बात से हूं कि...; केजरीवाल की गिरफ्तारी पर क्या बोले अन्ना हजारे

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर समाजसेवी अन्ना हजारे की पहली प्रतिक्रिया आ गई है। अन्ना हजारे ने कहा है कि उन्हें केजरीवाल को लेकर कोई दुख नहीं है और सलाह नहीं देंगे।

नई दिल्ली. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर समाजसेवी अन्ना हजारे की पहली प्रतिक्रिया आ गई है। अन्ना हजारे ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को उनके कर्मों का फल बताया है। अन्ना हजारे ने यह भी याद किया कि कभी केजरीवाल उनके साथ शराब के खिलाफ आवाज उठाते थे। अन्ना ने इस बात का दुख जाहिर किया कि जो कभी उनके साथ शराब के खिलाफ काम करते थे वह शराब नीति बनाने लगे।

महाराष्ट्र में अपने गांव रालेगण सिद्धि से एक बयान जारी करते हुए हजारे ने कहा, मुझे बहुत दुख हुआ कि अरविंद केजरीवाल जैसा आदमी जो मेरे साथ काम करता था। शराब के बारे में हम लोगों ने आवाज उठाई थी, वह आज शराब नीति बना रहा है। इसका मुझे दुख हुआ। लेकिन करेगा क्या, सत्ता के सामने कुछ नहीं चलता। आखिर उसको जो गिरफ्तार किया गया वह उनकी कृति से हुआ। हम यह बातें नहीं करते तो गिरफ्तारी का प्रश्न नहीं होता। जो हुआ है वह कानूनी के तौर पर जो होगा वह होगा, वह सरकार देखेगी। वह सोचेगी।

अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ छेड़ी थी जंग

गौरतलब है कि साल 2011 में अन्ना हजारे ने भ्रष्टचार के खिलाफ जंग छेड़ी थी और केजरीवाल इस जंग में उनके साथ डट कर खड़े रहे। अन्ना हजारे ने अरविंद केजरीवाल के साथ मिलकर लोकपाल विधेयक को लागू करने की मांग करते हुए इंडिया अगेंस्ट करप्शन ग्रुप (द्रूष्ट) का गठन भी किया था। इस मांग को लेकर वह राम लीला मैदान में भूख हड़ताल पर बैठे थे। उस वक्त यह आंदोलन 28 अगस्त तक चला। उस समय अरविंद केजरीवाल के साथ किरण बेदी, संजय सिंह और मनीष सिसोदिया ने भी अन्ना हजारे के साथ इस आंदोलन में शामिल थे लेकिन अन्ना हजारे के बाद केजरीवाल आंदोलन का मुख्य चेहरा बनकर उभरे। इसके बाद केजरीवाल ने अपनी पार्टी का गठन किया और 24 नवंबर 2012 को आम आदमी पार्टी बनाई गई।

2 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार हुए केजरीवाल

बता दें, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केजरीवाल को दिल्ली के कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार किया है। उन पर शराब नीति को लेकर साजिश रचने और पार्टी पर 100 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का आरोप है। ईडी ने इस मामले में पूछताछ के लिए केजरीवाल को 9 समन भेजे थे लेकिन उन्होंने हर इन्हें अवैध बताते हुए दरकिनार कर दिया।

सुनीता को मिलेगी AAP की कमान? केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली के सीएम की रेस में कौन-कौन से नाम

नई दिल्ली. दिल्ली के कथित शराब घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी ने आम आदमी पार्टी के साथ-साथ दिल्ली सरकार के सामने नेतृत्व संकट पैदा कर दिया है। 'आप' को पार्टी का नेतृत्व करने के लिए जल्द केजरीवाल का विकल्प ढूंढना होगा। अब केजरीवाल के संभावित रिप्लेसमेंट के रूप में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और कैबिनेट मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज के नामों के बारे में चर्चा चल रही है।

अब 'आप' के सामने एक योग्य नेता उतारने की चुनौती है जो केजरीवाल की गैरहाजिरी में दिल्ली में पार्टी और सरकार दोनों को संभाल सके। हालांकि, 'आप' नेतृत्व के लिए एक ऐसा नाम ढूंढ पाना वास्तव में एक बड़ा काम है जो 2012 में पार्टी की स्थापना के बाद से पार्टी के संयोजक और तीन बार दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे केजरीवाल के कद के करीब आता हो। पार्टी के लिए विकल्प काफी सीमित हैं। 'आप' के लिए केजरीवाल का रिप्लेसमेंट जल्द तलाशना और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि आम आदमी पार्टी दिल्ली, पंजाब, गुजरात, असम और हरियाणा में लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है, जहां केजरीवाल को पार्टी का स्टार प्रचारक होना था। पूर्व आईआरएस अधिकारी सुनीता केजरीवाल के अलावा 'आप' मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज के नाम भी इस शीर्ष पद के लिए चर्चा में हैं। दिल्ली सरकार में शिक्षा, वित्त, पीडब्ल्यूडी, राजस्व और सेवाओं सहित सबसे अधिक विभाग रखने वाली आतिशी को अरविंद केजरीवाल का करीबी सहयोगी माना जाता है। वह पार्टी प्रवक्ता भी हैं, जो 'आप' सरकार और अरविंद केजरीवाल का बचाव करती रही हैं। वह अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस और समाचार चैनलों पर भाजपा पर हमले करती रही हैं। सौरभ भारद्वाज भी दिल्ली सरकार के एक बड़े मंत्री हैं। उन पर स्वास्थ्य और शहरी विकास सहित कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी है।

वह पार्टी का एक जाना-माना चेहरा भी हैं, जो अक्सर पार्टी और उसके नेताओं का बचाव करने और शासन और राजनीति के मुद्दों पर केंद्र में भाजपा और उसकी सरकार पर जवाबी हमला करने में लगे रहते हैं। हालांकि, पिछले साल दिसंबर में 'आप' ने एक हस्ताक्षर अभियान मैं भी केजरीवाल चलाया था, जिसमें लोगों से पूछा गया था कि क्या उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए या गिरफ्तार होने पर जेल से सरकार चलानी चाहिए। इस अभियान के दौरान, 'आप' प्रमुख ने इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया के लिए पार्टी विधायकों और दिल्ली नगर निगम पार्षदों से मुलाकात की थी।

किसी ने बदला हुलिया, किसी ने घर तक बेचा; चुनाव से पहले 400 'लापता' हिस्ट्रीशीटर्स को पुलिस ने ढूंढ निकाला

हिस्ट्रीशीटर लोकसभा चुनाव में किसी तरह का खलल न डाल सकें इसलिए गाजियाबाद पुलिस ने 400 को ढूंढ निकाला है। अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए अभियान चलाया गया था।

गाजियाबाद. पिछले कई सालों से लापता चल रहे 650 हिस्ट्रीशीटरों में से 400 को पुलिस ने खोज निकाला है। ढाई महीने पहले तक लापता चल रहे हिस्ट्रीशीटर लोकसभा चुनाव में विघ्न न डाल सकें, इसके लिए पुलिस ने अभियान चलाया था, जिसमें बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। अधिकारियों का कहना है कि कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अपराधियों पर लगाम कसने की दिशा में अभियान चलाया गया था। लापता चल रहे बाकी हिस्ट्रीशीटरों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

आगामी लोकसभा चुनाव कमिश्नरेट पुलिस का पहला लोकसभा चुनाव है। चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष संपन्न कराने की दिशा में पुलिस तमाम कार्रवाई कर रही है। संदिग्ध प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है तो वहीं, असामाजिक तत्वों की हर गतिविधि पर निगरानी रखी जा रही है। इसी क्रम में पुलिस ने कमिश्नरेट के हिस्ट्रीशीटरों का रिकॉर्ड खंगाला तो चौंकाने वाली बात सामने आई। ढाई महीने पहले तक गाजियाबाद के साढ़े छह सौ हिस्ट्रीशीटर लापता चल रहे थे। वह कहां हैं और क्या कर रहे हैं, इसकी पुलिस को कोई जानकारी नहीं थी।

लापता हिस्ट्रीशीटर लोकसभा चुनाव में किसी तरह की परेशानी या व्यवधान पैदा न कर दें, लिहाजा उनकी खोजबीन के लिए अभियान शुरू किया गया। लापता हिस्ट्रीशीटरों की खोजबीन थानास्तर से शुरू की गई और राजपत्रित अधिकारियों द्वारा अभियान की मॉनिटरिंग की गई। नतीजा यह निकला कि दो महीने के भीतर पुलिस ने 400 लापता हिस्ट्रीशीटरों को खोज निकाला।

बचने के लिए घर तक बेच डाला

किसी भी बदमाश की निगरानी करने के लिए उसकी हिस्ट्रीशीट खोजी जाती है। ऐसे में हिस्ट्रीशीटरों ने पुलिस की निगरानी से बचने के लिए अपना घर बेच दिया तो किसी ने ठिकाना बदल दिया। इतना ही नहीं, किसी ने तो अपने रिश्तेदारों तक से संपर्क खत्म कर दिया। ऐसे हिस्ट्रीशीटरों को खोजने में पुलिस को मशक्कत करनी पड़ी। मुखबिर तंत्र, सर्विलांस तथा पड़ोसी जिलों और राज्यों की पुलिस की मदद से पुलिस ने 400 लापता हिस्ट्रीशीटर खोज निकाले। ट्रेस किए गए हिस्ट्रीशीटरों ने बताया कि वह पुलिस से बचने के लिए फरार हो गए थे।

2G घोटाला: 6 साल पहले बरी हो गए सभी आरोपी, अब फिर सुनवाई करेगा दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली.दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाला मामले में पूर्व दूरसंचार मंत्री ए राजा, कंपनियों और अन्य को बरी करने के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की अपील शुक्रवार को स्वीकार कर ली है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने कहा कि रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री और पक्षों के वकीलों द्वारा दी गई दलीलों के आधार पर सीबीआई द्वारा प्रथम दृष्टया मामला बनाया गया है, जिसकी गहन जांच की आवश्यकता है। अपील पर विस्तार से सुनवाई की जरूरत है। न्यायमूर्ति ने कहा कि अपील पर सुनवाई की इजाजत दी जाती है।

अपील को मई में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। उच्च न्यायालय ने सीबीआई की अपील की अनुमति पर फैसला सुनाया, जिससे निचली अदालत के फैसले के खिलाफ गुण-दोष के आधार पर अपील से निपटने का रास्ता खुल गया है। अपील वर्ष 2018 में सीबीआई द्वारा दायर की गई थी। अपील करने की अनुमति एक अदालत द्वारा किसी पक्ष को उच्च न्यायालय में फैसले को चुनौती देने के लिए दी गई एक औपचारिक अनुमति है। न्यायाधीश ने 14 मार्च को इस पहलू पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। विशेष अदालत ने 21 दिसंबर, 2017 को 2जी घोटाले से संबंधित सीबीआई और ईडी मामलों में राजा, डीएमके सांसद कनिमोझी और अन्य को बरी कर दिया था। बता दें कि दिल्ली की पटियाला कोर्ट ने 2जी घोटाले मामले में फैसला सुनाते हुए 2017 में सभी आरोपियों को बरी कर दिया। इसमें पूर्व दूरसंचार मंत्रती ए राजा, डीएमके सांसद कनिमोझी भी आरोपी थीं। आरोप था कि 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन में 1 लाख 76 हजार करोड़ का घोटाला किया गया।

होली पर यात्रियों को नहीं होगी कोई परेशानी, रेलवे ने किए खास इंतजाम; क्या-क्या मिलेगी सुविधा

होली के मौके पर यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए रेलवे ने खास बंदोबस्त किए हैं। नई दिल्ली एवं आनंद विहार स्टेशन पर यात्रियों के रुकने से लेकर उनके लिए पानी, शौचालय की व्यवस्था की है।

नई दिल्ली. होली के अवसर पर यात्रियों को स्टेशन पर किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रेलवे ने विशेष व्यवस्था की है। नई दिल्ली एवं आनंद विहार स्टेशन पर यात्रियों के रुकने से लेकर उनके लिए पानी, शौचालय, अतिरिक्त काउंटर आदि के बंदोबस्त किए गए हैं। इन स्टेशनों से सर्वाधिक होली विशेष गाड़ियां चलनी हैं।रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इन दोनों स्टेशनों से यात्री सबसे ज्यादा राजगीर, पटना, ओखा, आरा, गया, वाराणसी, छपरा, मुजफ्फरपुर, मुंबई सेंट्रल, जयनगर, श्री माता वैष्णो देवी कटरा, पुरी आदि जगहों के लिए सफर करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए 17 मार्च से लेकर दो अप्रैल तक

विशेष रेलगाड़ियां चलाई जा रही हैं। 15 दिनों के भीतर यह गाड़ियां दोनों तरफ से कुल 100 फेरे लगाएंगी।

स्टेशन के भीतर भीड़ को कम रखने के लिए अजमेरी गेट नई दिल्ली (4500 वर्ग फीट) और आनंद विहार टर्मिनल (2500 वर्ग फीट) रेलवे स्टेशनों पर पंडाल बनाया है। प्रस्थान प्रतीक्षा क्षेत्र में कवर टेंट, लाइट, पंखे, वॉटर बूथ, पोर्टेबल टॉयलेट ब्लॉक, फूड स्टॉल, पीए सिस्टम, बुकिंग काउंटर आदि का बंदोबस्त किया गया है। इसके साथ ही वहां पर रेलवे के अधिकारी भी तैनात किए गए हैं।

होली के मद्देनजर यात्रियों के लिए अतिरिक्त काउंटर

- अजमेरी गेट और नई दिल्ली स्टेशन पर पंडाल बनाया गया
- महिला और पुरुष यात्रियों के लिए मोबाइल शौचालय की सुविधा
- यात्रियों के पीने के लिए पानी के टैंकर लगाए गए
- दोनों स्टेशनों पर अतिरिक्त पूछताछ एवं टिकट काउंटर बनाए
- जनता खाना सभी स्टालों पर
- टेंट में एलईडी स्क्रीन लगाई गई
- एंबुलेंस और डॉक्टर तैनात किए
- मिनी कंट्रोल रूम बनाया गया
- बुजुर्ग यात्रियों के लिए व्हील चेयर का बंदोबस्त किया गया

किन 4 कारणों से हुई केजरीवाल की गिरफ्तारी, दिल्ली के CM से क्या जानना चाहती है ED

दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में घिरे दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आखिरकार गिरफ्तार कर ही लिया।

नई दिल्ली. दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में घिरे दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आखिरकार गिरफ्तार कर ही लिया। ईडी और केजरीवाल के बीच नवंबर 2023 से ही चूहे-बिल्ली का खेल चल रहा था। दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा हस्तक्षेप करने और उन्हें गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान करने से इनकार करने के बाद ईडी ने केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया।

किन कारणों से हुई केजरीवाल की गिरफ्तारी?

1. हाईकोर्ट का हस्तक्षेप नहीं करना

अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की एक अदालत द्वारा ईडी की याचिका के खिलाफ जमानत दिए जाने के बाद वह काफी उत्साहित थे, लेकिन हाईकोर्ट में उनकी याचिका का कोई नतीजा नहीं निकला। गुरुवार को, जब केजरीवाल ने 'ठोस कार्रवाई' से सुरक्षा मांगी तो हाईकोर्ट ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

दरअसल, सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से पूछा कि ईडी को अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने से कौन रोक रहा है। राजू ने कहा, हमने कभी नहीं कहा कि हम गिरफ्तारी करने जा रहे हैं। उनके पास पावर है. आप जांच में शामिल हों, हम गिरफ्तार कर भी सकते हैं और नहीं भी।इसके बाद एक घंटे के भीतर, दिल्ली पुलिस और अन्य अधिकारियों के साथ ईडी की 12 सदस्यीय टीम दिल्ली सीएम आवास पर पहुंची।

तलाशी के बाद मोबाइल फोन और डिजिटल डिवाइस जब्त कर लिए गए। रात करीब 9 बजे केजरीवाल को साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।

2. कविता की गिरफ्तारी से मिला संकेत

पिछले हफ्ते ईडी द्वारा भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता की गिरफ्तारी से संकेत मिले कि ईडी अरविंद केजरीवाल के खिलाफ भी कार्रवाई तेज करने जा रही है। बीआरएस नेता के खिलाफ ईडी के बयान में कहा गया है, ÷जांच से पता चला है कि के. कविता ने अन्य लोगों के साथ मिलकर कथित तौर पर दिल्ली शराब नीति-निर्माण और कार्यान्वयन में लाभ पाने के लिए अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित क्क के शीर्ष नेताओं के साथ साजिश रची थी। इन एहसानों के बदले में वह कथित तौर पर 'आप' के नेताओं को 100 करोड़ रुपये देने में शामिल थीं। ईडी केजरीवाल का सामना कविता से करा सकती है जो 23 मार्च तक एजेंसी की हिरासत में रहेगी।

3. नौ समन को नजरअंदाज किया

ईडी भले ही कथित तौर पर केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ भाजपा के इशारे पर काम करने के लिए विपक्ष के निशाने पर रही हो, लेकिन अरविंद केजरीवाल के मामले में कानूनी सलाह से पता चलता है कि जांच ठोस आधार पर थी। अधिकारियों के अनुसार, कानूनी सलाह यह थी कि केजरीवाल ने नौ समनों को दरकिनार कर अपने लिए मामला खराब कर लिया था। 'आप' संयोजक ने पहले समन को अवैध और राजनीति से प्रेरित बताया और फिर कहा कि वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सवालों के जवाब देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने ईडी से स्पष्टीकरण भी मांगा कि उन्हें किस हैसियत से समन जारी किया जा रहा है। गुरुवार को ईडी ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि केजरीवाल को उनकी व्यक्तिगत हैसियत से पूछताछ के लिए बुलाया गया था, न कि 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर।

4. केजरीवाल के खिलाफ सबूत

ईडी ने अपने पिछले आरोपपत्रों में भी केजरीवाल की तथाकथित साउथ ग्रुप के व्यवसायी समीर महेंद्रू के साथ बातचीत का हवाला दिया था, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर विजय नायर को मेरा लड़का कहा था। 'आप' के पूर्व कम्युनिकेशन हेड नायर पर शुरू से ही साउथ ग्रुप के साथ मिलीभगत का आरोप है।

गर्मी से दिल्ली वालों का होने वाला है हाल बेहाल, बढ़ेगी तपिश

दिल्ली में होली से पहले मौसम का मिजाज बदलने वाला है। शुक्रवार से तापमान में इजाफा होना शुरू होगा। इस बीच, दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार आया है। हवा की क्वालिटी थोड़ी सुधरी है।

नई दिल्ली. होली से पहले दिल्ली का मौसम करवट लेने वाला है। हल्की ठंड का अहसास भी खत्म हो गया है। अब रोजाना राजधानी के तापमान में इजाफा हो रहा है। गुरुवार को अधिकतम तापमान में करीब तीन डिग्री की गिरावट होने से दिल्ली को गर्मी से कुछ राहत मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का अनुमान है कि शुक्रवार को तापमान फिर बढ़ेगा। आईएमडी के अनुसार, शुक्रवार को अधिकतम तापमान बढ़ेगा और यह अगले हफ्ते तक 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को अधिकतम तापमान 30.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री कम है। जबकि एक दिन पहले यह 33.6 डिग्री सेल्सियस था। न्यूनतम तापमान बढ़कर 16.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य तापमान है। जबकि एक दिन पहले यह 13.7 डिग्री सेल्सियस था। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा, दिन के तापमान में गिरावट का मुख्य कारण तेज हवाएं और आसमान पर छाए बादल हैं। हालांकि, शुक्रवार से दिन का तापमान फिर से बढ़ जाएगा।

खराब होगा एक्यूआई

शुक्रवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 और 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। इसी बीच, दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार आया है। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खराब से मध्यम श्रेणी में आ गया है। एक्यूआई एक दिन पहले 229 था जिसमें गुरुवार को सुधार आया और यह 170 रहा। प्रदूषण निगरानी एजेंसियों को उम्मीद है कि हवा की गति लगभग 20 किमी प्रति घंटे से घटकर 8-12 किमी प्रति घंटे होने के कारण एक्यूआई फिर खराब हो जाएगा।

आईआईटीएम ने कहा, 22 मार्च से 23 मार्च तक हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में और 24 मार्च को मध्यम श्रेणी में रहने की संभावना है। अगले 6 दिनों के लिए पूर्वानुमान: हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रहने की संभावना है। दिल्ली में 22 मार्च को पूर्व/उत्तर-पूर्व दिशा से आने वाली हवाओं की गति 12-8 किमी प्रति घंटे रह सकती है। मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा।